

झारखण्ड विधान-सभा

झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार  
(संशोधन) विधेयक, 2007

[सभा द्वारा यथापारित]



अधीक्षक, झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय,  
राँची द्वारा मुद्रित ।

झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) विधेयक, 2007

[सभा द्वारा यथापारित]

झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) विधेयक, 2007 में

संशोधन विषय सूची

संशोधन विधेयक के 20वें वर्ष में झारखण्ड विधान सभा द्वारा यह विधेयक पारित किया गया।  
खंड 1. विषय सूची :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारंभ ।

(1) यह अधिनियम झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) अधिनियम-2007 कहा

2. मूल अधिनियम की धारा-128 का संशोधन ।

(1) मूल अधिनियम की धारा-128 के अंतर्गत जो संशोधन किया गया है उसे संशोधन द्वारा विस्तार

3. मूल अधिनियम की धारा-129 का संशोधन ।

2. मूल अधिनियम की धारा 128 का संशोधन :- बिहार खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम, 1986 (संशोधित 1992) जिसे संसद द्वारा झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम-1986 के रूप में अधिनियमित किया गया है की धारा-128(1) के प्रथम पंक्ति में उल्लिखित शब्द "अथवा" को उद्धृत किया गया है।

3. मूल अधिनियम की धारा 129 का संशोधन :- बिहार खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम, 1986 (संशोधित 1992) जिसे संसद द्वारा झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम-1986 के रूप में अधिनियमित किया गया है की धारा-129 के प्रथम पंक्ति में उल्लिखित शब्द "अथवा" को उद्धृत किया गया है।

**झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) विधेयक, 2007**  
[सभा द्वारा यथापारित]

झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन एवं अंगीकरण) अधिनियम, 2001 में संशोधन करने हेतु विधेयक ।

भारत गणराज्य के 58वें वर्ष में झारखण्ड विधान-मंडल द्वारा यह निम्नलिखित रूप से अधिनियमित हो :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :-

- (i) यह अधिनियम झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) अधिनियम-2007 कहा जा सकेगा ।
- (ii) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा ।
- (iii) यह उस तारीख को और उस क्षेत्र में लागू होगा जो सरकार अधिसूचना द्वारा नियत करे ।

2. मूल अधिनियम की धारा 128 का संशोधन । - बिहार खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम, 1986 (यथा-संशोधित 1992) जिसे सरकार द्वारा झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम-1986 के रूप में अंगीकृत किया गया है की धारा-128(1) के प्रथम पंक्ति में वर्णित शब्द "छः माह के अन्दर" को विलोपित समझा जाएगा ।

3. मूल अधिनियम की धारा 129 का संशोधन । - बिहार खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम, 1986 (यथा-संशोधित 1992) जिसे सरकार द्वारा झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनियम-1986 के रूप में अंगीकृत किया गया है की धारा-129 के प्रथम पंक्ति में वर्णित शब्द "तीन माह के अन्दर" को विलोपित समझा जाएगा ।

यह विधेयक झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (संशोधन) विधेयक, 2007 दिनांक 17 दिसम्बर, 2007 को झारखण्ड विधान-सभा में उद्भूत हुआ और दिनांक 17 दिसम्बर, 2007 को सभा द्वारा पारित हुआ ।

(आलमगीर आलम)

अध्यक्ष ।